# Global Storybooks

globalstorybooks.net

## साकीमा का गाना

Ursula Nafula
Peris Wachuka
Nandani

This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

https://creativecommons.org/licenses/by/4.0

# साकीमा का गाना

Ursula Nafula
Peris Wachuka
Nandani
3
हिन्दी hi

साकीमा अपने माता-पिता और अपनी चार साल की बहन के साथ रहता था। वे एक अमीर आदमी की ज़मीन पर रहते थे। उनका घास फूस का घर पेड़ों की कतार के आखिर में था।



अमीर आदमी अपने लड़के को दोबारा देख कर बहुत खुश हो गया। उसने साकीमा को दिलासा देने के लिए पुरस्कार दिया। वह अपने बेटे और साकीमा को अस्पताल ले गया ताकि साकीमा फिर से देख सके।

उसी समय, दो आदमी एक पालकी ले कर आए। उन्हें अमीर आदमी का बेटा घायल सड़क के किनारे पड़ा मिला था।



जब साकीमा तीन साल का था तब वह बीमार पड़ा और उसने अपनी आँखों की रोशनी खो दी। साकीमा में बहुत गुण थे।

साकीमा ऐसे कई काम कर सकता था जो अन्य छः वर्षीय बालक नहीं कर सकते थे। उदाहरण के लिए, वह गाँव के बुजुर्गों के साथ बैठता और महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करता।



साकीमा ने अपना गाना खत्म किया और जाने के लिए मुड़ा। लेकिन अमीर आदमी बाहर निकल और बोला, “कृपया दोबारा गाओ”।

साकीमा का मधुर गायन सुनकर सभी कर्मचारियों ने अपना काम बीच में ही रोक दिया। लेकिन एक आदमी बोला, “अब तक कोई भी मालिक को दिलासा नहीं दे सका। क्या यह अंधा लड़का यह सोचता है कि वह उनको दिलासा दे पायेगा?”



साकीमा के माता-पिता अमीर आदमी के घर पर काम करते थे। वे घर से जल्दी चले जाते और देर से घर लौटते। वे साकीमा को उसकी छोटी बहन के साथ छोड़कर जाते थे।

साकीमा को गाना गाना पसंद था। एक दिन उसकी माँ ने उससे पूछा “तुमने ये गाने कहाँ से सीखे, साकीमा?”



वह एक बड़ी खिड़की के नीचे खड़ा हो गया और उसने अपना पसंदीदा गाना गाना शुरू कर दिया। थोड़ी ही देर में, वह बड़ा आदमी बड़ी खिड़की के बाहर झाँक कर देखने लगा।

अगले दिन, साकीमा ने अपनी छोटी बहन से कहा कि वह उसे अमीर आदमी के घर ले चले।



साकीमा ने जवाब दिया “ये ऐसे ही आते हैं, माँ। मैं इनको अपने मन में सुनता हूँ और फिर इन्हें गाता हूँ”

साकीमा को अपनी छोटी बहन के लिए गाना पसंद था, विशेषकर तब जब उसे भूख लगती थी।



जो भी हो, साकीमा ने हार नहीं मानी। उसकी छोटी बहन ने उसका साथ दिया। वह बोली, “जब मैं भूखी होती हूँ तो साकीमा के गाने सुनकर मैं बहुत संतुष्ट और खुश महसूस करती हूँ। वे अमीर आदमी को भी सुकून देंगे।”

“मैं उनके लिए गा सकता हूँ। वे फिर से खुश हो जायेंगे,” साकीमा ने अपने माता-पिता से कहा। पर उसके माता पिता ने मना कर दिया। “वे बहुत अमीर है। तुम केवल एक अंधे लड़के हो। क्या तुम सोचते हो कि तुम्हारा गाना उनकी मदद करेगा?”



“क्या तुम इसे बार-बार गा सकते हो,” उसकी बहन उससे प्रार्थना करती। साकीमा मान जाता और बार-बार उसके लिए गाता।

एक शाम जब उसके माता पिता वापस घर आए, वे बहुत चुप थे। साकीमा जान गया कि कुछ ठीक नहीं है।



“क्या हुआ, माँ, पिताजी?” साकीमा ने पूछा। साकीमा को पता चला कि अमीर आदमी का लड़का खो गया है। वह आदमी बहुत ही उदास और अकेला था।